Sr.No- 194402 (SDC) **Your Roll No.....**

M.A. / IV SEM
SANSKRIT- Paper D - 402 (SDC)
(संस्कृत में भाषा–चिन्तन)
(Linguistic Speculations in Sanskrit)

Time: 3 Hours **Maximum Marks : 70**

Note: unless otherwise required in a question answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्न पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए ।

अन्विति –1(Unit -1)

1. संस्कृत में भाषा विषयक चिन्तन के महत्वपूर्ण पक्षों को महर्षि यास्क के अनुसार स्पष्ट कीजिए। 10
Explain the important aspects of Linguistic speculation in Sanskrit according to Maharishi Yask .

OR / अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on any **two** of the following:
जगदीश तर्कालंकार, शाकटायन, कात्यायन, कैय्यट

अन्विति -2(Unit -2)

2. भर्तृहरि के भाषादर्शन में प्रतिभा का क्या अर्थ है ? विवेचन कीजिए । 10
What is Pratibha in Bhartrihari's Linguistic Framework ? discuss:

OR / अथवा

वाक्यार्थ के विषय में भर्तृहरि के मत का प्रतिपादन कीजिए ।
Propound Bhartrhari views on the meaning of Sentence:

अन्विति–3(Unit-3)

3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार शाब्दबोध की प्रक्रिया निरूपित कीजिए । 9
Describe the process of verbal cognition according to Nyayasiddhantamuktavali.

OR / अथवा

शक्तिग्रह के आठ साधनों पर सविस्तर विवेचना कीजिए ।
Discuss in detail the eight means of grasping Sakti :

अन्विति–4(Unit-4)

4. संस्कृत वैय्याकरणों के अनुसार धात्वर्थ के स्वरूप पर विचार प्रस्तुत कीजिए । 9
Discuss the meaning of Verbal roots according Sanskrit grammarians:

OR /अथवा

स्फोटवाद पर एक विशद निबन्ध लिखिए :

Write a descriptive essay on स्फोटवाद .

अन्विति–2(Unit-2)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए - 12

Explain any **two** of the following:

i समुदायोऽभिधेयो वाप्यविकल्पसमुच्चयः।
असत्यो वापि संसर्गः शब्दार्थः कैश्चिदिष्यते ।।

ii एकस्यापि च शब्दस्य निमित्तैरव्यवस्थितैः ।
एकेन बहुभिश्चार्थो बहुधा परिकल्प्यते ।।

iii अभ्यासात् प्रतिभाहेतुः सर्वः शब्दोऽपरैः स्मृतः।
बालानां च तिरश्चां च यथार्थप्रतिपादने ।।

iv ऋषीणां दर्शनं यच्च तत्त्वे किञ्चिदवस्थितम्।
न तेन व्यवहारोऽस्ति न तच्छब्दनिबन्धनम् ।।

अन्विति-3(Unit-3)

6. निम्नलिखित में से **किसी एक** की व्याख्या कीजिए– 12

Explain **any one** of the following:

i यथा "यवमयश्चरुर्भवति" इत्यत्र यवपदस्य दीर्घशूकविशेषे आर्याणां प्रयोगः, कङ्गौ च म्लेच्छानाम्।तत्र हि यदान्या ओषधयो म्लायन्तेऽथैते मोदमानास्तिष्ठन्ति इति.....।

ii यत्र तु शक्यार्थस्य परम्परासम्बन्धरूपा लक्षणा सा लक्षितलक्षणेत्युच्यते।

iii वाक्ये तु शक्तेरभावाच्छक्यसंबन्धरूपा लक्षणाऽपि नास्ति।यत्र गम्भीरायां नद्यां घोष इत्युक्तं तत्र नदीपदस्य नदीतीरे लक्षणा।

iv येन पदेन विना यत्पदस्यान्वयाननुभावकत्वं तेन पदेन सह तस्याकाङ्क्षेत्यर्थः। क्रियापदं विना कारकपदं नान्वयबोधं जनयति तेन तस्याकाङ्क्षा ।

अन्विति1-एवं-4 (Unit-1 & 4)

7. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर **संस्कृत** में लघु टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए– 8

Write a short note it **Sanskrit** on any **one** of the following :

i शब्दब्रह्म
Shabdbrahman

ii अन्विताभिधानवाद
Anvitabhidhanvad

iii शिक्षा
Shiksha

iv पाणिनि
Panini